मिलिए हमारे चिंगारी सदस्यों से

नूपुर ऑडी

डॉक्टर, स्तनपान परामर्शदाता एवं मूल्यांकनकर्ता
चिंगारी फेलो

मैं डॉ. अनुपूर ऑडी हूँ, एक कम्युनिटी न्यूट्रिशनिस्ट, जो पिछले एक दशक से दक्षिणी राजस्थान में हाशिए पर रहने वाले समुदायों के साथ स्वास्थ्य और पोषण के क्षेत्र में काम कर रही हूँ। मेरा फोकस माताओं और बच्चों के पोषण स्तर को सुधारने और जीवन कौशल को बढ़ावा देने पर रहा है।

फिलहाल मैं 'जतन संस्थान' से जुड़ी हूँ और दो प्रमुख परियोजनाओं की प्रोजेक्ट मैनेजर हूँ। एक परियोजना 5 साल से कम उम्र के बच्चों, उनकी माताओं और किशोरों पर केंद्रित है, जो जीवन चक्र आधारित दृष्टिकोण से एक स्वस्थ पीढ़ी के निर्माण की दिशा में काम करती है। दूसरी परियोजना जिला अस्पतालों में नवजात शिशुओं के लिए 'कंगारू मदर केयर (KMC)' को बढ़ावा देकर नवजात मृत्यु दर को कम करने पर केंद्रित है।

मैं एक प्रमाणित लेक्टेशन काउंसलर और असेसर भी हूँ, और निजी अस्पतालों के साथ मिलकर 'ब्रेस्टफीडिंग-फ्रेंडली हॉस्पिटल्स' अभियान को आगे

सहर अली नाज़

उप प्रबंधक – ईसीएमओ,
रीजेंसी अस्पताल
चिंगारी फेलो

मैं सहर अली नाज़ हूँ, एक अनुभवी क्लिनिकल परफ्यूज़निस्ट और ECMO विशेषज्ञ, जो पिछले दस सालों से वयस्क और बच्चों की कार्डियक देखभाल में काम कर रही हूँ। फिलहाल मैं रीजेंसी हॉस्पिटल, कानपुर में डिप्टी मैनेजर के रूप में कार्यरत हूँ, जहाँ मैंने कई जीवनरक्षक सर्जरी और एडवांस्ड लाइफ सपोर्ट सिस्टम्स को संभाला है।

मेरा काम ऑपरेशन थिएटर से आगे भी जाता है। एक ट्रांस महिला, लेस्बियन और गर्वित हेल्थकेयर प्रोफेशनल के रूप में मैं समावेशी, सुलभ और संवेदनशील स्वास्थ्य सेवाओं की वकालत करती हूँ, खासकर वंचित महिलाओं और बच्चियों के लिए। मेरा लक्ष्य है स्वास्थ्य में समानता, लैंगिक न्याय और LGBTQIA+ समुदाय की मेडिकल क्षेत्र में दृश्यता को बढ़ाना।

मैं शैक्षिक और जागरूकता से जुड़ा कंटेंट भी बनाती हूँ और फिलहाल “इन ट्रांज़िट” नामक डॉक्युमेंट्री प्रोजेक्ट पर काम कर रही हूँ, जो क्वीयर जीवन और अनुभवों पर आधारित है।

तबिन्दा वानी

परियोजना प्रमुख एवं समन्वयक,
एस के आई एम एस
चिंगारी फेलो

मैं तबिंदा वानी हूँ, सोशल वर्क में मास्टर्स डिग्री के साथ एक समर्पित सामाजिक कार्यकर्ता। मुझे दर्द और पेलिएटिव केयर के क्षेत्र में आठ साल से अधिक का अनुभव है। फिलहाल मैं SKIMS के दर्द और पेलिएटिव केयर विभाग में प्रोजेक्ट हेड और कोऑर्डिनेटर के रूप में कार्यरत हूँ, और जम्मू-कश्मीर में चल रहे एकमात्र पेलिएटिव केयर प्रोजेक्ट से जुड़ी एकमात्र सोशल वर्कर हूँ।

मेरी भूमिका सिर्फ प्रोजेक्ट संचालन तक सीमित नहीं है, मैं पेलिएटिव केयर जैसे क्षेत्रों में सोशल वर्कर्स की भागीदारी और पहचान के लिए सक्रिय रूप से वकालत भी करती हूँ।

साथ ही, मैं उन महिलाओं के समर्थन में भी काम करती हूँ जो कार्यस्थल या समाज में अन्याय का सामना करती हैं। इस दिशा में मैंने सोशल मीडिया अभियानों और टीवी कार्यक्रमों में भाग लिया है।

श्रद्धांजलि छत्रिया

पेशेवर,
न्यू होप इंडिया
चिंगारी फेलो

मेरा नाम श्रद्धांजलि है। मैं ओडिशा के बरगढ़ ज़िले में रहती हूँ और 'न्यू होप इंडिया' संस्था के साथ काम करती हूँ। इस संस्था से जुड़ना मेरे लिए एक नई शुरुआत थी, क्योंकि मैं खुद बाल विवाह की शिकार रही हूँ। हालातों के कारण मुझे शादी के लिए हाँ कहना पड़ा, जबकि मैं तैयार नहीं थी। मैंने ठान लिया कि कोई और लड़की मेरे जैसी स्थिति से न गुज़रे।

शादी के बाद जब मैंने घर से बाहर निकलने की कोशिश की, तो लोगों ने ताने दिए "ये क्या करेगी?", "कहाँ जाएगी?", "इसे कुछ आता भी है?" लेकिन मैंने किसी की नहीं सुनी। मैं घर छोड़कर संस्था के लोगों से मिली और उनके साथ काम शुरू किया।

अब हम किशोर लड़कियों के साथ SRHR (यौन और प्रजनन स्वास्थ्य अधिकार), ट्रांसजेंडर समुदाय के अधिकारों, और महिलाओं के सशक्तिकरण पर काम करते हैं।

विनो थंगन

संस्थापक,
VOIS इंडिया
चिंगारी फेलो

मैं वीनो धनलक्ष्मी थंगन हूँ| एक गर्वित दलित, दिव्यांग और इंटरसेक्स व्यक्ति, जो तमिलनाडु, भारत से हैं। मैंने रेडियोलॉजी और मनोविज्ञान में पढ़ाई की है, और फिलहाल MBA (HR) कर रही हूँ। दुर्भाग्यवश, दृष्टि बाधा के कारण रेडियोलॉजी का अभ्यास 6 साल बाद छोड़ना पड़ा, क्योंकि रेडिएशन से दृष्टि पर असर पड़ता है।

मैंने जेंडर, सेक्सुअलिटी, जाति और दिव्यांगता से जुड़े हाशिए पर रहने वाले समुदायों के साथ एक दशक से अधिक समय तक काम किया है। 2023 में मैंने अपनी संस्था The Voice of Inter-Sectional India शुरू की, जो अब एक पंजीकृत NGO है।

अब मैं तमिलनाडु ट्रांसजेंडर वेलफेयर बोर्ड की सदस्य और राज्य की नीति निर्माण समिति की सदस्य भी हूँ। एक ट्रांस महिला और लेस्बियन के रूप में, मैं समावेशी, सुलभ और संवेदनशील स्वास्थ्य सेवाओं की वकालत करती हूँ, खासकर वंचित महिलाओं और बच्चियों के लिए।

गुलशन जहां

संस्थापक,
गुलिस्ता सामुदायिक विकास समिति
चिंगारी फेलो

मैं गुलशन जहां हूँ, भिंगा (श्रावस्ती) में 'गुलिस्ता सामुदायिक विकास समिति' की संस्थापक। पिछले 20 सालों से मेरी संस्था महिलाओं और किशोरियों की शिक्षा, स्वास्थ्य और जागरूकता के लिए काम कर रही है।

हमारा उद्देश्य है कि हर लड़की पढ़े, आत्मनिर्भर बने और अपने अधिकारों को समझे। हम स्वास्थ्य शिविर, प्रशिक्षण और जागरूकता अभियान चलाते हैं ताकि लड़कियां अपनी पहचान बना सकें और अपने भविष्य को खुद गढ़ सके।

मैं पूरी तरह से इस मिशन के लिए समर्पित हूँ, और एक ऐसे समाज के लिए काम कर रही हूँ, जहां हर लड़की को बराबरी का हक, सम्मान और अवसर मिले। मेरा मानना है कि सशक्त लड़की ही सशक्त समाज की नींव है।

पल्लीश्री दाश

जेंडर विशेषज्ञ,
एस एम आर सी
चिंगारी फेलो

मैं पल्लीश्री दाश हूँ, और पिछले छह सालों से सामाजिक क्षेत्र में काम कर रही हूँ। फिलहाल मैं ओडिशा के छह जिलों में 'शांता मेमोरियल रिहैबिलिटेशन सेंटर' की परियोजना 'समाहित' में जेंडर एक्सपर्ट के रूप में काम कर रही हूँ। मैं महिलाओं, युवाओं, आदिवासी और दिव्यांग समुदायों के साथ काम करती हूँ, महिलाओं के अधिकारों पर I WASH, जेंडर और समावेशिता पर जागरूकता अभियान चलाती हूं, प्रशिक्षण मॉड्यूल बनाती हूँऔर नीति स्तर पर जुड़ाव बढ़ाती हूं।

पहले मैंने पुलिस सुधार परियोजना में महिला पुलिसकर्मियों के अधिकार और मानवाधिकारों पर काम किया। शहरी बस्तियों में महिलाओं और ट्रांसजेंडर समुदायों के साथ आजीविका, कानूनी जागरूकता और हिंसा के खिलाफ अभियान चलाए हैं।

मेरा लक्ष्य है, न्याय, समावेश और हाशिए की आवाज़ों को आगे लाना।

मृगतृष्णा राठौर

संस्थापक,
खेजड़ी
चिंगारी फेलो

मैं मृगतृष्णा हूँ, एक साइकोथेरेपिस्ट और 'खेजड़ी' की संस्थापक जो जयपुर में आधारित एक सामुदायिक मानसिक स्वास्थ्य पहल है। मेरा उद्देश्य राजस्थान में मानसिक स्वास्थ्य को लेकर जागरूकता फैलाना और समुदाय-आधारित सेवाएं विकसित करना है।

2016 से मैं व्यक्तिगत और समूह थेरेपी देती हूँ, और मानसिक स्वास्थ्य पर खुलकर बात करने को सामान्य बनाने की कोशिश कर रही हूँ। 'खेजड़ी' के ज़रिए हम कला, भोजन, खेल और सामूहिक गतिविधियों को मानसिक स्वास्थ्य के साधन बनाते हैं। मैंने ग्रामीण और शहरी इलाकों में 'मेंटल हेल्थ चौपाल' और जयपुर में साप्ताहिक शेयरिंग सर्कल्स शुरू किए हैं। साथ ही वॉल आर्ट, फिल्म स्क्रीनिंग, बाइक रैली और संगीत जैसे रचनात्मक तरीकों से जागरूकता फैलाती हूँ।

मेरा विश्वास है कि मानसिक स्वास्थ्य हर बातचीत का हिस्सा होना चाहिए और हम सब मिलकर ऐसे सुरक्षित और समावेशी स्थान बना सकते हैं।

रोहिनी रॉय

डेवलपमेंट प्रोफेशनल,
पीरामल फाउंडेशन
चिंगारी फेलो

मैं रोहिणी रॉय हूँ, एक विकास क्षेत्र की पेशेवर, जिसे जमीनी शासन, लैंगिक समानता, शिक्षा और स्वास्थ्य में 10 साल से ज़्यादा का अनुभव है। सोशल वर्क, पॉलिटिकल साइंस, इतिहास, पत्रकारिता और एमबीए जैसी उच्च डिग्रियों के साथ, मैं अपने काम में विश्लेषणात्मक सोच और नेतृत्व की क्षमता लेकर आती हूँ।

फिलहाल मैं पिरामल फाउंडेशन में पंचायत आधारित पहलों का नेतृत्व कर रही हूँ, जहाँ मैं आकांक्षी ज़िलों में शिक्षा, स्वास्थ्य और पोषण के परिणामों को बेहतर बनाने के लिए काम करती हूँ। मैं समुदायों, युवाओं और सरकारी संस्थाओं के साथ मिलकर जमीनी स्तर की शासन व्यवस्था को मजबूत करने का काम करती हूँ। मेरा फोकस है, महिलाओं को सशक्त बनाना, जीवन कौशल की शिक्षा देना, और समावेशी स्वास्थ्य पहलों को आगे बढ़ाना जैसे पोषण अभियान और मातृ-शिशु स्वास्थ्य कार्यक्रम।

मैं सहयोग और सिस्टम आधारित दृष्टिकोण के ज़रिए मजबूत और सक्षम समुदायों का निर्माण करने के लिए प्रतिबद्ध हूँ।

रेखा लक्षेट्टी

एडोलेसेंट लर्निंग ऑफिसर,
के एच पी टी
चिंगारी फेलो

मैं रेखा लक्षेट्टी हूँ, और फिलहाल कर्नाटक के कोप्पल ज़िले में KHPT (कर्नाटक हेल्थ प्रमोशन ट्रस्ट) में एडोलसेंट लर्निंग ऑफिसर के रूप में कार्यरत हूँ। मैंने ह्यूमन डिवेलपमेंट एंड फैमिली स्टडीज़ में मास्टर्स किया है, और मेरा विशेष क्षेत्र है, बाल विकास, किशोर स्वास्थ्य, दिव्यांगजनों की समावेशिता और समुदाय आधारित शोध।

मैंने सेरेब्रल पाल्सी और किशोर स्वास्थ्य पर जनसंख्या अध्ययन का नेतृत्व किया है, मस्तिष्क विकास और डिस्लेक्सिया स्क्रीनिंग पर अकादमिक लेखों की सह-लेखिका रही हूँ, और सेरेब्रल पाल्सी पर एक पुस्तिका भी लिखी है। मेरे काम को राष्ट्रीय स्तर पर सराहा गया है, जिसमें हेल्थ एंड सोशल एसोसिएशन ऑफ इंडिया द्वारा भी मान्यता शामिल है।

मेरा मुख्य उद्देश्य है, बच्चों और समुदायों को ऐसे नवाचारी, समावेशी और स्थानीय ज़रूरतों के अनुसार तैयार किए गए कार्यक्रमों के ज़रिए सशक्त बनाना, जो उनके समग्र विकास और भलाई को बढ़ावा दें।

मालविका धर

एसोसिएट एडिटर,
फेमिनिज़्म इन इंडिया
चिंगारी फेलो

मैं मलाबिका हूँ, एक मिड-करियर पत्रकार, जो भारत में स्वास्थ्य, शिक्षा, लैंगिक समानता और मानवाधिकारों पर लिखती हूँ। फिलहाल मैं 'फेमिनिज़्म इन इंडिया' नामक डिजिटल मीडिया संगठन में एसोसिएट एडिटर के रूप में काम कर रही हूँ, जहाँ मैं हिंदी सेक्शन का नेतृत्व करती हूँ।

मेरा फोकस है, हाशिए पर रहने वाली आवाज़ों को सामने लाना, नीतियों का विश्लेषण करना और डेटा आधारित कहानियाँ तैयार करना। मुझे दो बार UNFPA और Population First का 'लाड़ली मीडिया अवॉर्ड' मिला है, जो लैंगिक संवेदनशील लेखन के लिए दिया जाता है।

मेरा मानना है कि रिपोर्टिंग और लेखन में समावेशी दृष्टिकोण होना बहुत ज़रूरी है। मेरा काम सामाजिक न्याय और जवाबदेही की भावना से प्रेरित है, और मैं

मीनाक्षी कोली

एनजीओ कोऑर्डिनेटर,
सेवा सदन फाउंडेशन
चिंगारी फेलो

मैं मीनाक्षी कोली हूँ, एक सामाजिक कार्यकर्ता और कानून विशेषज्ञ। मैंने सोशल वर्क और लॉ में पढ़ाई की है और पिछले 9 सालों से सांगली ज़िले में महिलाओं, किशोरों और वंचित समुदायों के साथ काम कर रही हूँ। मेरी शुरुआत गाँवों और शहरी बस्तियों से हुई, जहाँ मैंने किशोर लड़कियों को शिक्षा, आत्मविश्वास और समाज में अपनी जगह पाने में मदद की। पारंपरिक सोच के बीच मैंने खुद को शिक्षित किया और दूसरों के लिए रास्ता बनाया।

फिलहाल मैं सेवा सदन कम्युनिटी डिवेलपमेंट फाउंडेशन, मिरज में NGO कोऑर्डिनेटर हूँ। मैं शिक्षक प्रशिक्षण, स्कूल हेल्थ कैंप, महिला व किशोर सशक्तिकरण और NGO की कानूनी प्रक्रिया को संभालती हूँ। मेरा विश्वास है कि हर लड़की और महिला को शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा और सम्मान का अधिकार है, और अपनी राह चुनने की आज़ादी भी। यही सोच मेरे काम को दिशा देती है।

रूपा कूडलगीमठ

जिला कार्यक्रम समन्वयक, चिंगारी फेलो

मैं रूपा एस. कूडालगिमठ हूँ, बेलगावी ज़िले में ज़िला कार्यक्रम समन्वयक के रूप में कार्यरत। 2006 से सामाजिक सेवा में सक्रिय हूँ, खासकर महिला सेक्स वर्कर्स के साथ काम कर उनके अधिकार और स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुँचाने में 12 साल बिताए।

बाद में कोप्पल में मातृ और नवजात स्वास्थ्य पर WHO के साथ काम किया, जिससे माँ-बच्चे के रिश्ते और स्वास्थ्य सुधार की अहम समझ मिली। 2019 से HIV/AIDS जागरूकता और किशोर लड़कियों के लिए बाल विवाह रोकथाम, माहवारी स्वच्छता, शिक्षा और पोषण पर काम कर रही हूँ।

शिक्षा, स्वास्थ्य और जागरूकता के ज़रिए महिलाओं और लड़कियों को सशक्त बनाने की दिशा में मेरा सफर चुनौतीपूर्ण लेकिन संतोषजनक रहा है और यह काम आज भी जारी है।

निशा वर्मा

प्रोजेक्ट कोऑर्डिनेटर,
अहसास
चिंगारी फेलो

मेरा नाम निशा है, और मैं 'अहसास' संस्था से जुड़ी हूँ। मैंने सोशल वर्क की पढ़ाई की है और पिछले 20 सालों से महिलाओं और बच्चों के स्वास्थ्य, शिक्षा, सुरक्षा और समान भागीदारी के लिए काम कर रही हूँ। फिलहाल मैं प्रोजेक्ट कोऑर्डिनेटर के रूप में जेंडर, प्रजनन स्वास्थ्य, बाल विवाह रोकथाम, शिक्षा और समानता पर काम कर रही हूँ।

हमने समुदाय आधारित समूह बनाए हैं जो लोगों को उनके अधिकारों और सरकारी सेवाओं से जोड़ते हैं, ताकि वे बिना भेदभाव के ज़रूरी सुविधाएँ पा सकें।

महिलाओं और किशोरियों को सशक्त बनाने के लिए मैंने माहवारी स्वच्छता कार्यशालाएँ, स्वास्थ्य कैंप और जीवन कौशल शिक्षा कार्यक्रम चलाए हैं। मेरा विश्वास है कि बदलाव की शुरुआत खुद से होती है और मैं इस सिद्धांत पर काम करती हूँ: "जिसकी लड़ाई, उसकी अगुआई।"

मंदावी मिश्रा

प्रोजेक्ट कोऑर्डिनेटर,
साम्यक
चिंगारी फेलो

मैं मंदावी मिश्रा हूँ, और फिलहाल 'कलेक्टिव गुड फाउंडेशन (सम्यक)' में प्रोजेक्ट कोऑर्डिनेटर के रूप में कार्यरत हूँ। मुझे पब्लिक हेल्थ में 10 साल से अधिक का अनुभव है, खासकर मातृ-शिशु स्वास्थ्य, पोषण और समुदाय से जुड़ाव के क्षेत्र में। इस समय मैं उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र के शहरी बस्तियों में महिलाओं और LGBTQIA+ समुदाय के लोगों को हेल्थ एंटरप्रेन्योर बनने के लिए प्रशिक्षित कर रही हूँ ताकि वे बेसिक स्क्रीनिंग, टेली-कंसल्टेशन और स्वास्थ्य सेवाएँ दे सकें।

इससे पहले मैंने इंडिया हेल्थ एक्शन ट्रस्ट के साथ RMNCH+N, मातृ स्वास्थ्य और पोषण कार्यक्रमों में काम किया, जहाँ मेरी भूमिका क्षमता निर्माण, फील्ड में मार्गदर्शन और निगरानी की रही। मैंने होम साइंस में मास्टर्स और नर्सिंग में दो साल का डिप्लोमा किया है।

अनीशा आचार्जी

डेंटिस्ट,
पब्लिक हेल्थ प्रोफेशनल
चिंगारी फेलो

मैं डॉ. अनीशा आचार्जी हूँ, डिग्री से डेंटिस्ट, लेकिन दिल से पब्लिक हेल्थ की सच्ची समर्थक। पिछले 6 सालों से मैं स्वास्थ्य और विकास के क्षेत्र में काम कर रही हूँ। मेरे पास BDS और MPH की डिग्रियाँ हैं, और मैं एनीमिया स्क्रीनिंग से लेकर किशोर पोषण तक कई इनोवेटिव प्रोजेक्ट्स पर काम कर चुकी हूँ।

मुझे डेटा में जान डालना, रणनीतियों को असरदार बनाना और ऐसा काम करना पसंद है जो सिर्फ स्लाइड्स में नहीं, ज़मीन पर दिखे। मेरा काम जमीनी स्तर की मेहनत और नीति निर्माण दोनों के बीच संतुलन बनाता है।

ज़किया बेगम

प्रोजेक्ट ऑफिसर,
केएचपीटी
चिंगारी फेलो

मैं ज़किया बेगम हूँ, एक समर्पित सामाजिक कार्यकर्ता, जिनके पास सामाजिक कार्य और शिक्षा में डिग्री के साथ 13+ वर्षों का अनुभव है। मैंने ग्रामीण क्षेत्रों से अपने सफर की शुरुआत की, जहां किशोरियों को शिक्षा और अवसर दिलाने के लिए काम किया।

आज मैं कर्नाटक हेल्थ प्रमोशन ट्रस्ट (KHPT) में प्रोजेक्ट ऑफिसर हूँ, जहां मैं बेंगलुरु की वंचित बस्तियों में स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए मल्टीसेक्टोरल अर्बन CPHC मॉडल पर काम कर रही हूँ।

मैंने समाज की बंदिशों और सवालों के बीच खुद को शिक्षित किया और आगे बढ़ी। मेरा मिशन है हर लड़की और महिला को शिक्षा, आत्मनिर्भरता, स्वास्थ्य, सम्मान और बराबरी का अधिकार मिले।

"उन्होंने मेरे फैसलों पर सवाल उठाए,
डर से मेरे सपनों को बांधना चाहा,
पर मैंने अपनी कहानी खुद लिखी,
हर आंसू को मुस्कान में बदलते हुए।"

संजिता महापात्रा

नर्स,
चिंगारी फेलो

मैं संजीता महापात्रा हूँ, एक समर्पित MSc नर्स और सामाजिक कार्यकर्ता, जिनके पास स्वास्थ्य सेवा, आपदा प्रबंधन और समुदाय विकास में 10 वर्षों का अनुभव है।

मैंने स्वास्थ्य जागरूकता, महिलाओं के सशक्तिकरण और लैंगिक समानता के लिए काम किया है। आपदा के समय आपातकालीन देखभाल और मानसिक सहयोग देने के साथ-साथ, मैंने हाशिए पर रहने वाले समुदायों जैसे ट्रांसजेंडर, महिलाएं और बच्चे के साथ काम किया है।

मैं प्रशिक्षण, जागरूकता कार्यक्रम और रचनात्मक अभियानों के ज़रिए महिलाओं की नेतृत्व क्षमता को बढ़ावा देती हूं। मेरा लक्ष्य है — एक ऐसा समावेशी समाज बनाना जहां स्वास्थ्य, सम्मान और समानता हर किसी का अधिकार हो।

"निर्भीक नेतृत्व, बेआवाज़ों की आवाज़, और मज़बूतों की ताकत, यही संजीता की पहचान है।"

विभा पट्टाभिरामा

पालिएटिव केयर चिकित्सक,
एसवीवाईएम
चिंगारी फेलो

मैं डॉ. विभा एस. पी. हूँ, एक पब्लिक हेल्थ स्पेशलिस्ट। मैंने कम्युनिटी मेडिसिन में एमडी किया है और पेलिएटिव केयर की ट्रेनिंग भी ली है। फिलहाल मैं 'स्वामी विवेकानंद यूथ मूवमेंट (SVYM)' में पेलिएटिव केयर फिजिशियन और प्रोग्राम मैनेजर के रूप में काम कर रही हूँ। पिछले सात सालों से मैं इस संस्था से जुड़ी हूँ।

मेरी भूमिका में मैं कर्नाटक के पाँच ज़िलों में मुफ्त, समुदाय आधारित और संस्थागत पेलिएटिव केयर सेवाओं को लागू करने और चलाने का काम करती हूँ। मेरा फोकस ऐसे मॉडल तैयार करने पर है जो सस्ते, आसानी से उपलब्ध, पूरे परिवार को ध्यान में रखने वाले और सरकारी स्वास्थ्य व्यवस्था से जुड़े हों।

मैं समुदाय के लोगों से सीधे जुड़ती हूँ, और कई विभागों व संगठनों के साथ मिलकर काम करती हूँ ताकि गंभीर बीमारियों से जूझ रहे लोगों को अच्छी देखभाल मिल सके।

रिन्ज़िंग भूटिया

सार्वजनिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ
चिंगारी फेलो

मैं रिन्ज़िंग भूटिया हूँ, मैं एक दशक से भी ज़्यादा समय से पब्लिक हेल्थ के क्षेत्र में काम कर रही हूँ, और खास तौर पर मातृ और शिशु स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने पर ध्यान दिया है। मेरा फोकस इस बात पर रहा है कि महिलाओं को सम्मानजनक और उन्हें केंद्र में रखी गई देखभाल मिले।

मैं हर माँ के लिए सुरक्षित, गरिमापूर्ण और खुशहाल प्रसव अनुभव सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह समर्पित हूँ। अपने करियर में मैंने स्वास्थ्य व्यवस्था को मजबूत करने, फ्रंटलाइन हेल्थ वर्कर्स को ट्रेनिंग देने और सेवाओं की गुणवत्ता बढ़ाने के कई प्रयासों का नेतृत्व किया है।

मैंने अलग-अलग स्तरों पर काम करने वाले लोगों और संगठनों के साथ मिलकर ऐसे कार्यक्रम तैयार और लागू किए हैं, जो वैज्ञानिक आधार पर बने हों और माँ और बच्चे की भलाई को प्राथमिकता देते हों।

स्वाति शेर्पा

एपिडेमियोलॉजी हेल्थ वर्कर,
चिंगारी फेलो

मैं स्वाति शेर्पा हूँ। मैं पिछले 5 सालों से स्वास्थ्य क्षेत्र में काम कर रही हूँ। मेरा काम पोषण, साफ-सफाई (WASH), कुष्ठ रोग, टीकाकरण और लिम्फेटिक फाइलेरियासिस जैसे विषयों से जुड़ा रहा है। मैं फिलहाल पब्लिक हेल्थ में मास्टर्स की पढ़ाई कर रही हूँ।

एक महामारी विज्ञान स्वास्थ्य कार्यकर्ता के रूप में, मैं बीमारियों की निगरानी, उनके फैलने की जांच और उनसे निपटने के कामों में मदद करती हूँ। मैं एनजीओ के स्वास्थ्य कार्यक्रमों के तहत स्थानीय स्वास्थ्य अधिकारियों और समुदायों के साथ मिलकर काम करती हूँ। हम साथ मिलकर डेटा इकट्ठा करते हैं, उसका विश्लेषण करते हैं और समझते हैं, ताकि सही स्वास्थ्य कदम उठाए जा सकें और बीमारियों के फैलाव को रोका जा सके।

सायली चव्हाण

डिस्ट्रिक्ट फैसिलिटेटर,
उजास
चिंगारी फेलो

मैं सायली छाया अनिल हूँ। मेरे बारे में ज़्यादा कुछ खास नहीं है बस एक छोटी-सी लड़की हूँ जो अभी अपनी क्षमताओं को परख रही है। मैंने अपनी यात्रा 'समजबध' एनजीओ के साथ शुरू की, जहाँ मैं 'कुर्मा हंट' पर जागरूकता फैलाने का काम कर रही हूँ। यह काम गढ़चिरोली भामरागढ़ में हो रहा है, जहाँ आज भी महिलाओं को मासिक धर्म के दौरान अपने ही घर में रहने की अनुमति नहीं दी जाती।

हम हर दिन उनके साथ रहते हैं, उनके साथ काम करते हैं और उन्हें 'कुर्मा हंट' के बारे में जागरूक करते हैं। सिर्फ जागरूकता ही नहीं, बल्कि हम उन्हें यह भी सिखाते हैं कि कैसे वे खुद अपने लिए 'आशा कपड़े का पैड' बना सकती हैं ताकि उन्हें हम पर निर्भर न रहना पड़े। (मैं अभी भी वहाँ वॉलंटियर कर रही हूँ।) फिलहाल मैं 'उजास' संस्था में ज़िला समन्वयक के रूप में काम कर रही हूँ। यहाँ मैं किशोरों और समुदायों के साथ मिलकर एक ऐसी समाज बनाने की कोशिश कर रही हूँ जो महिलाओं और पुरुषों दोनों के लिए "पीरियड-फ्रेंडली" हो। मेरा काम है मासिक धर्म को सामान्य बनाना और अपने शरीर के साथ एक स्वस्थ रिश्ता विकसित करना।

पूजा गुंजाल

डिस्ट्रिक्ट कोऑर्डिनेटर,
उजास
चिंगारी फेलो

मैं पूजा शंकर गुंजल हूँ, और मुझे मासिक धर्म से जुड़ी स्वास्थ्य और स्वच्छता को बढ़ावा देने का जुनून है। 'उजास' में ज़िला समन्वयक के रूप में, मुझे कई समुदायों के साथ काम करने का मौका मिला है जैसे स्कूल के लड़के-लड़कियाँ, ICDS कर्मचारी, शिक्षक, आशा वर्कर और गन्ना काटने वाली महिलाएँ।

मेरे अनुभव ने मुझे यह दिखाया है कि मासिक धर्म को लेकर अभी भी बहुत सारी गलतफहमियाँ और सामाजिक बंदिशें हैं। कई लड़कियाँ और महिलाएँ पीरियड्स को लेकर शर्म या झिझक महसूस करती हैं, जो उनकी सेहत, पढ़ाई और जीवन पर बुरा असर डाल सकता है।

'समजबंध' और 'उजास' जैसे संगठनों के साथ काम करते हुए मैंने देखा है कि शिक्षा, जागरूकता और सहयोग महिलाओं और लड़कियों को उनके मासिक धर्म से जुड़ी देखभाल में आत्मनिर्भर बनाने में कितना अहम रोल निभाते हैं। मैं इस काम को आगे भी जारी रखने के लिए प्रतिबद्ध हूँ और अपने समुदाय में सकारात्मक बदलाव लाने की कोशिश कर रही हूँ।

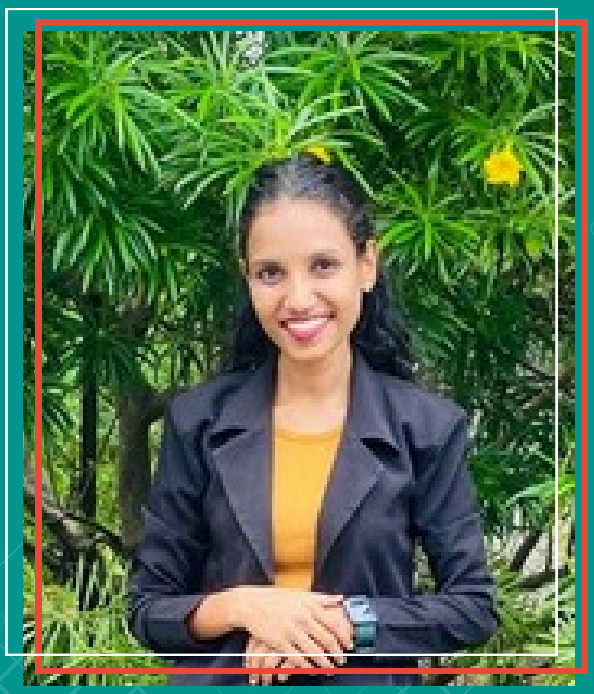

वैशाली वानखडे

डिस्ट्रिक्ट कोऑर्डिनेटर, आम्ही आमच्या आरोग्यासाठी चिंगारी फेलो

मैं वैशाली वानखड़े हूँ, ज़िला समन्वयक 'आम्ही आमच्या आरोग्यासाठी', गढ़चिरोली। इस भूमिका में मैं बच्चों की सुरक्षा से जुड़े ज़िला स्तर के कामों का नेतृत्व करती हूँ। इसमें गेटकीपिंग सिस्टम बनाना, महिला एवं बाल विकास विभाग (WCD) के अधिकारियों के साथ तालमेल, फ्रंटलाइन वर्कर्स की क्षमता बढ़ाना, और स्थानीय भाषाओं में जागरूकता सामग्री तैयार करना शामिल है। मेरा काम यह सुनिश्चित करता है कि सरकारी सिस्टम ज़रूरतमंद बच्चों के लिए ज़्यादा संवेदनशील और समावेशी बनें।

इससे पहले मैं 'सुखाया फाउंडेशन' में फील्ड ऑफिसर के रूप में काम कर चुकी हूँ, जहाँ मेरा फोकस महिलाओं, लड़कियों और बच्चों के खिलाफ लैंगिक और यौन हिंसा को रोकने पर था। मैंने किशोर लड़के-लड़कियों के लिए जेंडर, शिक्षा, व्यक्तिगत सुरक्षा, मासिक धर्म स्वच्छता और स्वास्थ्य पर ट्रेनिंग प्रोग्राम चलाए। मैं बाल कल्याण समिति (CWC) के लिए एक सपोर्ट पर्सन भी रही हूँ, जहाँ मैंने बच्चों के अधिकारों से जुड़े मामलों में सीधे मदद दी।

परिवर्तन शोर से नहीं आता यह समर्पित हाथों और शांत साहस से आता है।

प्रतिमा देवी

प्रोफेशनल, लोक प्रेरणा केंद्र
चिंगारी फेलो

मेरा नाम प्रतिमा है। मैं झारखंड के चतरा जिला के सिमरिया प्रखंड के एक छोटे से गांव चोपे की रहने वाली हूं।मेरी संस्था का नाम लोक प्रेरणा केंद्र चतरा है ।मैं विगत 10 वर्षों से संस्था से जुड़ी हुई हूं और 7 वर्षों से बोर्ड की सदस्य हूं । वर्तमान में हमारी संस्था लड़कियों की उच्च शिक्षा पर काम कर रही है साथ ही साथ उनकी नेतृत्व क्षमता का भी विकास कर रही है।

लोक प्रेरणा केंद्र अलग-अलग कार्यक्रम के माध्यम से युवा लड़किया एवं महिलाओं को SRHR, यौनिकता ,जेंडर ,जेंडर भेदभाव ,LGBTQIA, पितृसत्ता जैसी मुद्दों पर जागरूक कर रही है हमारी संस्था का यह मानना है कि ,यदि लड़कियां जागरूक हो और उसे शिक्षा प्राप्त हो तो वह आत्मनिर्भर बन सकती है ,साथ ही साथ जल्द एवं जबरन विवाह पर भी नियंत्रण पाया जा सकता है।

मेरा खुद का सपना है कि हमारा समुदाय में जो रूढ़िवादी परंपरा है हम उसे तोड़कर आगे बढ़े और हमारे समुदाय के सभी व्यक्तियों को एक समान अवसर प्राप्त हो।मैं उन सभी वर्गों के साथ काम करना चाहती हूं जिससे हमारा समुदाय छुटे हुए वर्ग कहते हैं।

सपना वर्मा देवी

स्वयंसेविका,
दीया वेलफेयर सोसाइटी
चिंगारी फेलो

मेरा नाम सपना वर्मा देवी है। मैं निम्न वर्ग दलित परिवार से हूँ। मेरी शिक्षा बी.ए.
फाइनल है। कॉलेज चलते मैने दिया वेलफेयर सोसाइटी से जुड़ाव बनाया जिसमें मैं किशोरियों के साथ अपने ही गांव में किशोरियों युवतियों के स्वास्थ्य जेंडर आधारित भेदभाव हिंसा,साफ सफाई, बाल विवाह,माहवारी पर चर्चा, शिक्षा पर बात, यौनिकता पर चर्चा करते हैं और सरकारी योजनाओं के पात्र व्यक्तियों को जोड़ने का प्रयास करते हैं।

ललिता देवी

स्वयंसेविका,
दीया वेलफेयर सोसाइटी
चिंगारी फेलो

मेरा नाम ललिता देवी है। मैंने एम. ए. हिन्दी से किया है। मेरी संस्था का नाम दिया वेलफेयर सोसाइटी है। मैं दिया वेलफेयर सोसाइटी में पिछले 3 साल से वालिंटियर के तौर पर काम कर रही हूँ। मेरी संस्था किशोरियों और महिलाओं के अनेक मुद्दों पर काम करती है - स्वास्थ्य संबंधी, जेन्डर आधारित भेदभाव, बाल विवाह, माहवारी, साफ़ सफाई, पात्र व्यक्तियों को सरकारी योजनाओं से जोड़ना, शिक्षा, केस वर्क, कौशल विकास से जोड़ना।

कैलाश

सामाजिक कार्यकर्ता,
जन विकास संस्थान
चिंगारी फेलो

मैं कैलाश राजसमंद राजस्थान से हूँ । मैं राजसमंद जन विकास संस्थान में सामाजिक कार्यकर्ता के रूप में कार्य कर रही हूँ। मैं अलग-अलग संस्थान में 7 वर्षों से सामाजिक कार्यकर्ता के रूप में कार्य कर रही हूँ। मेंने बच्चों के स्वास्थ्य के ऊपर, किशोरियों की शिक्षा के ऊपर, और महिलाओं के अधिकार और हिंसा से निवारण के ऊपर कार्य करती हूँ।

मुझे बहुत दुख और तकलीफ होती है जब मैं किसी महिला के साथ किसी भी प्रकार की हिंसा को होते हुए देखती हूँ। मैं संस्था के माध्यम से ऐसी महिलाओं के लिए काम करती हूँ, जिनके पास अपनी बात रखने के लिए कोई मंच नहीं है। जहां वह अपनी बात खुलकर रख सके अपनी पीड़ा बयां कर सके एवं महिला को अपने अधिकार को दिलाने में उनका सहयोग करती हूँ।

ऑगस्टिना सोरेंग

आदिवासी कार्यकर्ता
चिंगारी फेलो

मैं अगुस्टीना सोरेंग, सिमडेगा जिला झारखंड राज्य की युवा आदिवासी ग्रामीण महिला हूँ। मैं पिछले 14 वर्षो में अलग-अलग संस्थाओं के साथ आदिवासी महिलाओं, युवाओं और समुदाय के साथ आदिवासी हक, अधिकार के लिए निरंरत कार्य किया है और पिछले तीन वर्षो में पलायन, मानव तस्करी, आदिवासी महिलाओं के यौनिक हिंसा के मुद्दों पर सक्रिय वकालत की है।

युवाओं, पीडित महिलाओं के मानसिक स्वास्थ्य को लेके भी कार्य करना हुआ है। आदिवासी और मूलवासी समुदाय के वन अधिकारों को सुनिश्चित कराने की कार्य में लगी हुई हूँ।

शैला यादव

संस्थापक,
समावेशक सामाजिक विकास संस्था
चिंगारी फेलो

मैं शैला यादव समावेशक सामाजिक विकास संस्था, में संस्थापक अध्यक्ष के रूप में कार्यरत हूँ। हमारा संगठन घुमंतू और विमुक्त जनजातियों के अधिकारों के लिए समर्पित है। हमारा समग्र कार्यक्षेत्र बच्चों की शिक्षा, जेंडर-आधारित हिंसा, स्वास्थ्य, महिला सशक्तिकरण और समुदाय की नेतृत्व क्षमता निर्माण तक विस्तृत है। सशक्तिकरण के लिए विभिन्न परियोजनाओं का संचालन करते हैं। हमारा उद्देश्य इन समुदायों को समाज की मुख्यधारा में लाना और उनके अधिकारों की रक्षा करना है।

मेरा व्यक्तिगत लक्ष्य इन समुदायों को समाज की मुख्यधारा में पूर्ण रूप से समाहित करना और उनके सामाजिक-आर्थिक आत्मनिर्भरता के मार्ग को मजबूत बनाना है। मैं विश्वास रखती हूँ कि समुदाय के साथ मिलकर चलने से ही दीर्घकालिक बदलाव संभव है।

सपना वर्मा

प्रोजेक्ट कोऑर्डिनेटर,
प्रसार संस्था
चिंगारी फेलो

मेरा नाम सपना वर्मा है। मैं उत्तर प्रदेश के बाराबंकी जिले की रहने वाली हूँ। मैंने जनरल नर्सिंग ऑफ मिडवाइफरी का कोर्स किया है। मैं प्रसार संस्था में प्रोजेक्ट कोऑर्डिनेटर के पद पर कार्यरत हूँ। संस्था के साथ मै 14 वर्षों से जुड़ी हुई हूँ, और इस दौरान मेरे द्वारा किशोर किशोरियों, महिलाओं और बच्चों के साथ उनके स्वास्थ्य और पोषण सम्बन्धी गतिविधियों से जुड़ कर लिंग आधारित भेदभाव, बाल विवाह, माहवारी प्रबन्धन, आजीविका और महिलाओं और युवाओं की ग्राम सभाओं में भागीदारी बढ़ते हुए समाज के गरीब वंचित दलित महिलाओं-पुरुषों के जीवन को बेहतर बनाने का प्रयास कर रही हूँ।

आशा वर्कर और ए. एन. एम. स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं को हमने परिवार नियोजन के मुद्दे पर और सुरक्षित गर्भ समापन के मुद्दे पर प्रशिक्षण दिया है परिवार नियोजन के क्षेत्र में मुझे अवार्ड भी मिल चुके हैं।

मेरा सपना एक ऐसे समाज की स्थापना करना है जहां पर महिलाओं को बराबर का अधिकार मिले, सुरक्षित और आत्मनिर्भर बने।

सुषमा देवी

सचिव,
स्वाभिमान संस्था
चिंगारी फेलो

मैं सुषमा, वर्तमान समय में स्वाभिमान संस्था में सचिव पद पर कार्यरत हूँ। मैं गांव जोरिया, थाना महुदा, जिला धनबाद, राज्य झारखंड की रहने वाली हूँ। हमारी संस्था महिलाओं, किशोरियों और बच्चों के मुद्दों पर काम कर रही है जैसे बाल विवाह, मानव तस्करी, घरेलू हिंसा, जेंडर समानता, स्वास्थ्य, अधिकार, और शिक्षा। हम जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से समुदाय को जागरूक करने का कार्य करते हैं।

मुझे सभी से दोस्ती करना और नई-नई चीजों की जानकारी रखना व सीखना बहुत पसंद है। मैं स्वाभिमान संस्था में पिछले 5 वर्षों से सचिव पद पर कार्यरत हूँ। इससे पहले मैं विभिन्न संस्थाओं में, विभिन्न प्रोजेक्ट्स के तहत महिलाओं से जुड़े मुद्दों पर कार्य कर चुकी हूँ।

सुमन दाधीच

अध्यक्ष,
नवाचार संस्थान
चिंगारी फेलो

मेरा नाम सुमन दाधीच है। मैं कपासन जिला चित्तौड़गढ़, राजस्थान की रहने वाली हूँ। मैने एम. एस. डब्लू. कर रखा है। वर्तमान में नवाचार संस्थान अध्यक्ष पद के दायित्व निर्वाहन के साथ ही मैं नवाचार संस्थान के साथ विगत 10 वर्षों से जुड़ी हुई हूँ।

इस दौरान मेरे द्वारा किशोर किशोरियों, महिलाओं और बच्चों के साथ उनके स्वास्थ्य और पोषण सम्बन्धी गतिविधियों से जुड़ कर लिंग आधारित भेदभाव, बाल विवाह, माहवारी प्रबन्धन, आजीविका और महिलाओं और युवाओं की ग्राम सभाओं में भागीदारी बढ़ाने के साथ ही प्राकृतिक कृषि और कृषि सम्बन्धी परम्परागत ज्ञान, पद्धतियों और बीजों के संरक्षण सम्बन्धी कार्य करते हुए समाज के गरीब और वंचित वर्ग के जीवन को बेहतर बनाने का प्रयास कर रही हूँ।

हलीमा एजाज़

सचिव,
झारखंड ग्रामीण विकास ट्रस्ट
चिंगारी फेलो

मैं हलिमा एजाज, सचिव,झारखंड ग्रामीण विकास ट्रस्ट धनबाद झारखंड। हमारी संस्था वंचित समुदायों के महिला किशोरी एवं बच्चों पर उनके अधिकारों, यौन एवं प्रजनन स्वास्थ्य,जेंडर हिंसा व भेद-भाव, बाल विवाह, बाल तस्करी, बाल यौन शोषण के खिलाफ आवाज बुलंद करती है।

हरगिज़ नहीं जिऊंगी ज़माने में बेचारी बनके।
हरेक बुराई को जलाऊंगी हम तो चिंगारी बनके।

रितु वर्मा

कर्मचारी,
सहयोग
चिंगारी फेलो

मेरा नाम रितु है। मैं उत्तर प्रदेश की बाराबंकी की जिले के रहने वाली हूँ। मुझे महिलाओं पुरुषों, बच्चों किशोर- किशोरी, युवाओं के स्वास्थ्य शिक्षा पोषण हक और अधिकार, सरकारी स्कीमों के मुद्दों पर काम करते हुए 8 साल हो चुके हैं। वर्तमान समय में मैं सहयोग संस्था जो महिलाओं के अधिकार जेंडर समानता बराबरी को लेकर काम कर रही है उसी के साथ जुड़कर परियोजना तरंग मेरे सपने मेरे उड़ान में,मैं किशोरियों और युवाओं के साथ काम कर रही हूँ, ताकि उन्हें सामाजिक मुद्दों जैसे जेंडर समानता, प्रजनन स्वास्थ्य, हिंसा, और पितृसत्ता के बारे में जागरूक कर सकूं।

मेरा उद्देश्य किशोरियों को सशक्त बनाना है, ताकि वे अपने अधिकारों के लिए आवाज उठा सकें और समाज में फैली भ्रांतियों को चुनौती दे सकें। मैं चाहती हूँ कि वे अपनी समस्याओं का सामना आत्मविश्वास से करें और अपने स्वास्थ्य, शिक्षा, और विकास के लिए सरकार और समुदाय से जवाबदेही मांग सकें। इस बदलाव से किशोरियां समाज में अपनी पहचान और अधिकार प्राप्त कर सकेंगी।

सैदाबिबी सैयद

कर्मचारी,
स्वाती
चिंगारी फेलो

मेरा नाम सैयद शाहिदाबीबी है। मैं गुजरात के मेहसाणा जिले की रहने वाली हूँ। मैंने MSW (मास्टर ऑफ सोशल वर्क) की डिग्री प्राप्त की है । में पिछले 2 साल से स्वाति संस्था के साथ जुड़ी हुई हूं। पिछले दो साल से स्वास्थ्य और घरेलू हिंसा पीड़ित महिलाओं के साथ में काम कर रही हूँ।

मैं अब तक हजारों महिलाओं के साथ बातचीत की है। जिसमें मैं 486 से अधिक महिलाओं के केस का सफल समाधान किया है। मेरा उद्देश्य महिलाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना, उन्हें मानसिक और शारीरिक रूप से मजबूत बनाना और कठिन परिस्थितियों से निकलने में सहायता प्रदान करना है।

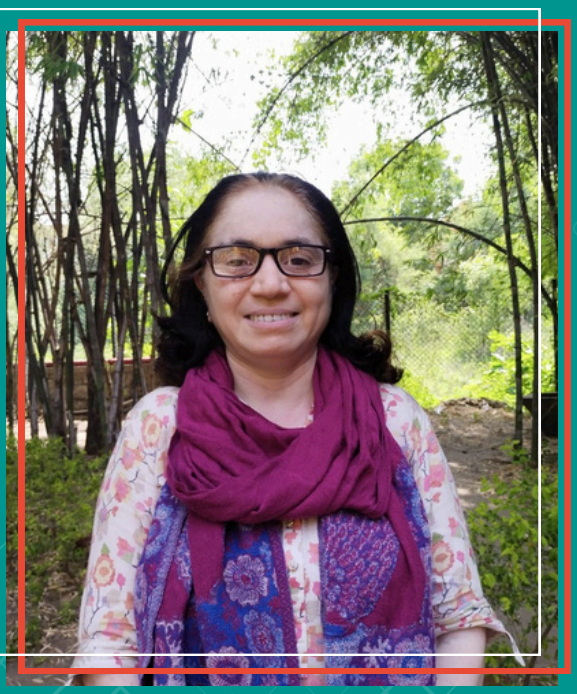

गायत्री पटेल

कर्मचारी,
सेवा रूरल – झगड़िया
चिंगारी फेलो

मेरा नाम गायत्री है। मैंने सामाजिक कार्य में स्नातकोत्तर डिग्री (मास्टर ऑफ सोशल वर्क) प्राप्त की है। पिछले 20 वर्षों से मैं गुजरात के भरूच जिले के झगड़िया स्थित संगठन "सेवा रूरल" के साथ काम कर रही हूँ। संगठन में मैंने विभिन्न भूमिकाओं में जैसे आईईसी (सूचना, शिक्षा और संचार) काउंसलर, स्वास्थ्य शिक्षक, और महिला जागरूकता कार्यक्रमों में काम करते हुए, लगातार सीखने और आगे बढ़ने का प्रयास किया है।

वर्तमान में, मैं हेल्थ ट्रेनिंग सेंटर में प्रशिक्षण और प्रशासनिक दोनों जिम्मेदारियाँ संभाल रही हूँ। अपनी टीम के साथ मिलकर, मैं किशोर जागरूकता कार्यक्रमों पर भी कार्य करती हूँ और संगठन की कोर ग्रुप कमेटी की सदस्य भी हूँ। इसके अतिरिक्त, संगठन में आने वाली लाभार्थी महिलाओं को आत्मरक्षा प्रशिक्षण देने के लिए मैं अपने सहयोगियों के साथ मिलकर कार्य करती हूँ।

कीला कुमारी

नर्स कोऑर्डिनेटर,
चिंगारी फेलो

मेरा नाम कीला कुमारी है, और मैं वर्तमान में एक नर्स कोऑर्डिनेटर के रूप में कार्यरत हूँ। इस भूमिका में, मैं उन ग्रामीण क्षेत्रों में सेवा देती हूँ जहाँ लोगों को उचित स्वास्थ्य सेवाएँ उपलब्ध नहीं हैं। मेरा मुख्य ध्यान मातृ, शिशु एवं किशोर स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं पर है, जिसमें कुपोषण तथा महिलाओं में टीबी की रोकथाम शामिल है।

क्लिनिक में, मैं हर प्रकार के मरीजों की देखभाल करती हूँ। गंभीर मामलों में, मैं ऑन-कॉल डॉक्टरों से सलाह लेकर स्थिति संभालती हूँ। यदि रिफरल की आवश्यकता होती है, तो हम संगठन की एम्बुलेंस की व्यवस्था करते हैं, मरीज के साथ एक नर्स भी भेजते हैं, और उन्हें जिला अस्पताल में भर्ती करवाते हैं। मरीज के छुट्टी होने तक हम लगातार उनका फॉलो-अप करते हैं। अगर मरीज की हालत गंभीर हो, तो सभी खर्चे संगठन द्वारा वहन किए जाते हैं।

गीता मीणा

स्वास्थ्य कर्मचारी,
आजीविका अमृत क्लिनिक
चिंगारी फेलो

मेरा नाम गीता है, और मैं राजस्थान से हूँ। मैं "आजिविका अमृत क्लिनिक" नामक एक गैर-सरकारी संस्था के साथ काम करती हूँ। मेरा कार्य मुख्य रूप से महिलाओं और किशोरी लड़कियों के प्रजनन स्वास्थ्य तथा समुदाय के छोटे बच्चों के स्वास्थ्य पर केंद्रित है।

मेरी यह गहरी इच्छा है कि समुदाय में लोग माहवारी को लेकर या लड़कों और लड़कियों के बीच भेदभाव न करें। हर किसी को अपने अधिकारों के लिए खुलकर बोलने का अवसर मिलना चाहिए।

डाली कुमारी

फील्ड कोऑर्डिनेटर,
आगाज़ प्रोजेक्ट
चिंगारी फेलो

मेरा नाम डाली कुमारी खटीक है। मैं राजस्थान के राजसमंद जिले के आमेट ब्लॉक के सियाना गाँव की निवासी हूँ। मैं राजसमंद जन विकास संस्थान के तहत चल रहे आगाज़ परियोजना में फील्ड कोऑर्डिनेटर के रूप में कार्यरत हूँ।

हमारे परियोजना का मुख्य उद्देश्य किशोरों को शिक्षा से जोड़ना और बाल विवाह को कम करना है, ताकि हम उनके लिए एक उज्ज्वल भविष्य बनाने में मदद कर सकें।

अफ़साना

कर्मचारी,
चिंगारी फेलो

मेरा नाम अफ़साना है, और मैं उत्तर प्रदेश के वाराणसी जिले से हूँ। मुझे जमीनी स्तर पर 7 वर्षों का अनुभव है और मैं लगातार महिलाओं के अधिकारों के लिए अपनी आवाज उठाती रही हूँ। मैंने महिलाओं के सशक्तिकरण को अपना मिशन बना लिया है।

मैंने हमेशा महिलाओं, किशोरी लड़कियों और युवाओं की शिक्षा, स्वास्थ्य और अधिकारों के लिए आवाज उठाई है। मैंने सामाजिक रूढ़ियों को चुनौती दी है और समाज में खासकर युवाओं और किशोरियों से जुड़े लैंगिक समानता, मानव अधिकार एवं हिंसा जैसे मुद्दों पर लगातार अपनी आवाज बुलंद की है।

मरियाना तिर्की

स्वास्थ्य कर्मचारी,
चिंगारी फेलो

मैं मरियाना तिर्की हूँ, हावड़ा, कोलकाता से। पिछले 17 वर्षों से मैं स्वास्थ्य क्षेत्र में काम कर रही हूँ, खास तौर पर उन इलाकों में जहाँ आस-पास कोई अस्पताल नहीं है। मैं ऐसे क्षेत्रों में जाती थी, लोगों को दवाइयाँ उपलब्ध कराती थी और उन्हें अस्पताल में भर्ती करवाने में मदद करती थी।

पिछले 3 वर्षों से मैं बाल श्रम के मुद्दे पर सक्रिय रूप से काम कर रही हूँ। मैं इन बच्चों के घर जाती हूँ और उनकी शिक्षा पर खास ध्यान देती हूँ। मुझे इन छोटे बच्चों के साथ काम करना और उनके परिवारों को सहयोग देना सच में बहुत अच्छा लगता है।

बीना बारा

कर्मचारी,
हेल्गो
चिंगारी फेलो

मैं बीना बारा हूँ। HELGO से जुड़ने से पहले, मैंने 12 वर्षों तक हावड़ा शॉट पॉइंट में काम किया। वहाँ मेरा मुख्य कार्य टीकाकरण से संबंधित था, और कभी-कभी मैं दवाइयों और अनुवाद के काम में भी सहायता करती थी। यह काम मुख्य रूप से स्वास्थ्य पर केंद्रित था, जिससे मुझे समुदाय से नजदीकी जुड़ाव का अवसर मिला।

HELGO में हमारा मुख्य ध्यान शिक्षा पर है। मैं स्कूल में दाखिले में सहायता करती हूँ, लड़कियों और उनके परिवार वालों से मिलती हूँ और उन्हें परामर्श देती हूँ, ताकि बच्चों को उनकी पढ़ाई में ज़रूरी सहायता मिल सके। अगर कोई बच्चा बीमार पड़ता है, तो मैं उसे अस्पताल ले जाती हूँ, उसकी जाँच करवाती हूँ और इलाज की पूरी प्रक्रिया पर नज़र रखती हूँ। मैं फील्ड विजिट, घर-घर जाकर मुलाकात, और "ब्रदर्स हेलमेट अभियान" जैसी जागरूकता गतिविधियों में भी भाग लेती हूँ। हम स्कूलों में जाकर बच्चों के साथ नजदीक से काम करते हैं, ताकि उनकी सेहत और शिक्षा; दोनों का समुचित ध्यान रखा जा सके।

ICRW
INTERNATIONAL CENTER FOR RESEARCH ON WOMEN

WGH | WOMEN IN GLOBAL HEALTH

@icrwasia @ICRWAsia @ICRWAsia

ICRW Asia Module 410, NSIC Business Park, 4th Floor, Okhla Industrial Estate, New Delhi - 110020 Tel: 91.11.46643333
E-mail: info.india@icrw.org
Website: www.icrw.org/asia
LinkedIn: International Center for Research on Women - Asia

Design by: Prajaktha Gurung